PSOs of M.A. Sanskrit, Pali & Prakrit

1. वेद, ब्राह्मणग्रंथ, उपनिषद्, वेदांगों तथा भारतीय दर्शन के अध्ययन द्वारा वैदिक धर्म, संस्कृति एवं दर्शन का ज्ञान।

2. संस्कृत साहित्य एवं काव्यशास्त्र के अध्ययन द्वारा भारतीय मेधा एवं काव्यकला का ज्ञान।

3. संस्कृत व्याकरण के अध्ययन द्वारा भाषा, भाषा विज्ञान एवं भाषा कौशल का विकास।

4. साहित्यिक अभिरुचि, व्यावहारिक ज्ञान, शास्त्रोक्त संस्कार एवं नैतिक मूल्यों के अन्तर्निवेश द्वारा व्यक्तित्व विकास।

5 योग एवं आध्यात्मिकता की प्रवृत्ति द्वारा स्वस्थ जीवन पद्धति एवं सदाचार प्रशिक्षण।